नाम => Kuldeep Dwivedi Mech.
Ambuj Tiwari Mech.
Polytechnic Collage Nowgong.

9/10

HELMET

What is helmet. Introduction.

A helmet is a form of Protective gear worn to protect the Head. More Specifically, a helmet Complements the Skull in protecting the Human Brain from an injury.

What is the use of helmet.

Helmet are Designed to help prevent injuries to your head. A Serious fall or Crash can Cause permanent brain damage But helmet can prevent it. If it is a BSI Certified helmet.

How Helmet Safety has been tested.

A helmet is positioned on a metal head form and then dropped in a guided fall onto Various Steel test anvils (Flat, Hemisphere, Roll bar, Edge or a Horseshoe type). which Stimulate different impact Surfaces

Shot on realme narzo N53
2023.10.19 08:20

What is Helmet Standard.

This is a government - approved and Certification and testing organisation of India. It is now known as the Bureau of Indian Standard (BIS). Helmet that meet ISI rating are considered legal and Safe in India.

Some new rules and regulations made by government for Helmet.

As per the Statistical data for the financial year 2021, the Sale of two-wheelers hits 15.12 million units. Thus Creating a large Market for helmet manufacturers to get profitable Sales. The ministry of Road Transport & Highway has passed the notification that all have to buy the BIS certified helmet because the other helmets quality is and Safety rating is that is why the goverment make this rule.
That led to a big hue & cry for the manufactures because imported full face helmet would not be permitted to be Sold in India It means the other Country helments does not Sold in Indian market.

What is The BIS Certified Helmet.

Two - wheeler Helmets are under the mandatory Indian Standards The BIS (Bureau of Indian Standards) under the Gazette of India has implemented an order for the Raw material and the Construction of the BIS certified Helmet for the Safety of the bikers or the Riders.

Now we Know about BIS

What is BIS ?

The Bureau of Indian Standards (BIS) is the National Body of India under Department of Consumers affairs, Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution, Government of India. It is established by the Bureau of Indian Standards act, 2016 which Came into effect on 12 October 2017. The Minister In charge of the Ministry or Department having adminstrative Control of the BIS is the ex-officio President of the BIS BIS has 500 plus Scientific officers working as Certification officers, Member Secretaries of

2023 10 19 08:21
Shot on realme narzo N53

of technical Committees and lab.

Formed: 23 December 1986

Headquarters: Manak Bhawan New Delhi 110002

Motto ⇒ मानकः पथप्रदर्शकः

ISI Mark ÷

Core activities ÷

BIS ÷

मानकः पथप्रदर्शकः

★ Standard Setting

★ Certification

★ The laboratory

★ International activities

★ training Services

—x—x—

Thank you.

narzo Shot on realme narzo N53

नाम => Kuldeep Dwivedi Mech, Ambuj tiwari Mech.

हेल्मेट

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नौगांव

BIS हेल्मेट क्या है -

ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) ने हाल ही में भारत के लिए नए हेल्मेट स्टैंडर्ड नियमों वाले हेल्मेट को लागू किया है। इन नियमों से भारत में बिकनें वाले हेल्मेट की क्वालिटी में सुधार लाया जा सकेगा। साथ ही सड़क पर बिकनें वाले लोकल क्वालिटी के हेल्मेट पर रोक लगाई जायगी। भारत में इस नियम को 15 जनवरी 2019 को लागू किया गया। जिसके बाद भारत में हेल्मेट बनाने वाली कंपनियों को BIS के स्टैंडर्ड पर हेल्मेट की मैन्युफैक्चरिंग करनी होगी। नए नियम के अनुसार हेल्मेट का वजन 1.2 किलोग्राम होगा जो अभी तक 1.5 किलोग्राम था ट्रांसपोर्ट मंत्रालय ने भी यह भी ऐलान किया कि अब से नॉन ISI स्टैंडर्ड वाले हेल्मेट बेचना अपराध माना जायगा। इस नियम का पालन न करनें पर भारी जुर्माना भी लगाया जायगा।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) नें अधिसूचना पारित की है कि सभी दोपहिया हेल्मेट को BIS (भारतीय मानक ब्यूरो) प्रमाणित होना चाहिए। नई अधिसूचना के अनुसार, BIS ISI सर्टिफिकेट वाले हेल्मेट को भारतीय बाजार में बेंचनें की इजाजत होगी। यह कदम कम गुणवत्ता वाले हेल्मेट की बिक्री के कम करनें और अंततः समाप्त करनें और उनकी सुरक्षा में सुधार करनें के लिए है।

बी. आई. एस. हेलमेट के लाभ –

* इससे ग्राहकों की संतुष्टि में सुधार होता है।
* लेबल यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक ग्राहक को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद प्राप्त हों।
* यदि उपभोक्ता हेलमेट की गुणवत्ता से असंतुष्ट है तो हेलमेट बेचने वाली कम्पनी नए उत्पाद पर स्विच कर देगी।
* यदि किसी उपभोक्ता को संदेह है कि आई. एस. आई. वाला उत्पाद कम गुणवत्ता का है, तो ग्राहक उत्पाद निर्माता के खिलाफ कानूनी कार्यवाई कर सकते हैं।
* ISI हेलमेट को पहनने से कम सड़क में होने वाली असंभावित दुर्घटना से बच सकते हैं।

हेलमेट पर लागू बी. आई. एस. प्रमाणन योजनाओं का प्रकार ⇒

आई. एस. आई. और एफ. एम. सी. एस. दो बी. आई. एस. प्रमाणन योजनाएँ हैं जो हेलमेट पर लागू होती हैं। आई. एस. आई. (भारतीय मानक संस्थान) भारती निर्माताओं पर लागू होता है। तथा एफ. एम. सी. एस. (विदेशी निर्माता प्रमाणन योजना) विदेशी निर्माताओं पर लागू होती है।

Shot on realme narzo N53
2023 10 19 08:21

Date________
Page________

- आई. एस. आई. मार्क प्रमाणन ⇒

आई. एस. आई. मार्क प्रदर्शित करता है कि कौन सा उत्पाद सुरक्षा मानकों को पूरा करता है, इस प्रकार यह सुनिश्चित करता है कि कोई उत्पाद भारतीय मानकों को स्थापित करके स्वीकार करता है। इसलिए निर्माताओं को आई. एस. आई चिन्ह प्रदान करने में उत्पाद विश्लेषण, उत्पाद नमूना परीक्षण, कारखाना परीक्षण आदि जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं।

- एफ. एम. सी. एस. प्रमाणन ⇒

एफ. एम. सी. एस. प्रदर्शित करता है कि विदेशों में निर्मित हेलमेट भारतीय मानकों को पूरा करता है। आई. एस. आई. मार्क की तरह भारतीय बाजार में हेलमेट वितरित करने या बेचने के लिए एफ. एम. सी. एस. एक अनिवार्य आवश्यकता है। और इसमें उत्पाद विश्लेषण, उत्पाद परीक्षण और प्राप्त करने के लिए और भी बहुत कुछ शामिल है।

बी. आई. एस. प्रमाणन की प्रक्रिया ⇒

1. आवेदन पत्र भरना ⇒ सबसे पहले आवेदन भरें, सभी आवश्यक दस्तावेज जमा करते हैं, और प्रमाणन शुल्क भरते हैं। ताकि कोई कम्पनी फर्जी न हो। जो कम गुणवत्ता वाला बना सके।

narzo Shot on realme narzo N53
2023.10.19 08:

(2) फैक्ट्री का निरीक्षण किया जाता है ⇒
बी. आई. एस. अधिकारी और बी. आई. एस. अधिकृत टीम विनिर्माण परिसर का दौरा करती है। और परीक्षण के लिए रॉ-मटेरियल व हेलमेट का एक सेम्पल लेती है।

(3) हेलमेट परीक्षण ⇒
बी. आई. एस. अधिकारी व निरीक्षण दल हेलमेट का परीक्षण करती है कि - हेलमेट का वजन 1.2 किलोग्राम है या नहीं, यह वजन पड़ने या टक्कर लगने से क्षतिग्रस्त तो नहीं होता व हेलमेट की उच्च गुणवत्ता का है या निम्न गुणवत्ता का।

(4) सभी प्रक्रियाएँ पूर्ण होने के बाद बी. आई. एस. हेलमेट के लिए आई. एस. आई. प्रमाणन जारी करती है।

निष्कर्ष ⇒
गैर-आई. एस. आई. हेलमेट पर प्रतिबंध लगाकर भारत सरकार के नये नियमों से संचालित हेलमेट निर्माताओं की माँग बढ़ेगी। कुल मिलाकर ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीय हेलमेट विनिर्माण उद्योग का भविष्य बहुत उज्ज्वल है और यह आने वाले वर्षों में एक स्टार्ट-अप को उत्पन्न करना जारी करेगा। हमें BIS के कारण हेलमेट की उच्च गुणवत्ता मिलेगी, जिससे हम सड़क दुर्घटना से होने वाले नुकसान से बच सकेंगे। तथा आने वाले गंभीर चोटों से बच जाएँगे।

narzo Shot on realme narzo N53 2023 10 19 08:21

भारतीय मानक ब्यूरो (B.I.S.)

BIS का पूरा नाम ब्यूरो ऑफ इण्डियन स्टैण्डर्ड है। BIS एक नेशनल स्टैंडर्ड बॉडी है जो कि गवर्नमेंट ऑफ इण्डिया के मिनिस्ट्री ऑफ कन्ज्यूमर अफेयर, फूड एण्ड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन के अंतर्गत काम करती है। BIS का गठन 1986 ब्यूरो ऑफ स्टैंडर्स ऐक्ट के अंतर्गत हुआ था। यह ऐक्ट 23 दिसम्बर 1986 को लागू हो गया था। यह लेकिन 2016 में इस ऐक्ट को अमेंड करके एक नया ब्यूरो ऑफ इण्डिया स्टैण्डर्स ऐक्ट 2016 नोटीफाई किया गया और यह 22 मार्च 2016 को नोटीफाई किया गया। एवं 12 अक्टूबर 2017 को इण्डियन स्टैण्डर्स 2016 इस ऐक्ट में आ गया था। इस समय BIS में लगभग 600 से अधिक वैज्ञानिक अधिकारी, प्रमाणन अधिकारी, तकनीकी समितियों और प्रयोगशाला O.I.C. के सदस्य सचिवों के रूप में कार्यरत हैं। BIS का मुख्यालय मानक भवन, पुरानी दिल्ली में है।

भारतीय मानक ब्यूरो का कार्य

BIS एक नेशनल स्टैंडर्स बॉडी है जो कि किसी भी प्रोडक्ट और प्रोसेस का स्टैंडराइजेशन करता है। किसी भी प्रोडक्ट की मार्किंग करता है और उसको क्वालिटी सर्टीफिकेट प्रदान करता है। BIS स्टैंडराइजेशन, सर्टिफिकेशन और टेस्टिंग के द्वारा हमारे देश की ईकोनॉमी को एक बनीफिट प्रोवाइड कर रहा है। BIS के द्वारा ही सेफ

narzo Shot on realme narzo N53 2023 10 19 08:23

और रिलाइबल प्रोडक्ट हम तक पहुँचते हैं।

BIS के फंक्शन ⇒

(1) BIS किसी भी मैनीफैक्चरर को BIS के स्टैंडर्ड के एकार्डिंग जो भी कॉम्प्लायन्स हैं वो पूरा करनें के लिए अपनी मदद देगी।

(2) स्टैंडर्डस मार्क का डिजाइन करना और जितनें भी हमारे स्टैंडर्डस सर्टीफिकेशन मार्क है उनको रेडी करेगी।

(3) अगर कोई व्यक्ति BIS के जितनें भी स्टैंडर्डस हैं उनको फॉलो करना चाहता है, और BIS का लाइसेंस लेना चाहता है तो इसके लिए उसकी अप्लीकेशन को ग्रांड करना, अगर उसका लाइसेंस पुराना हो चुका है तो उसको रिन्यू करेगी।

(4) यदि कोई भी इन्डस्ट्री या मैन्यूफैक्चरर BIS के स्टैंडर्ड को फॉलो नहीं करती है तो उसके लाइसेंस को सस्पेण्ड कर देना या कैंसल कर देना BIS का फंक्शन है।